भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व ने चुनावी समय खेला ब्राह्मण चेहरे पर दाव

मोदी और शाह की पसंद सी.पी. जोशी बने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष

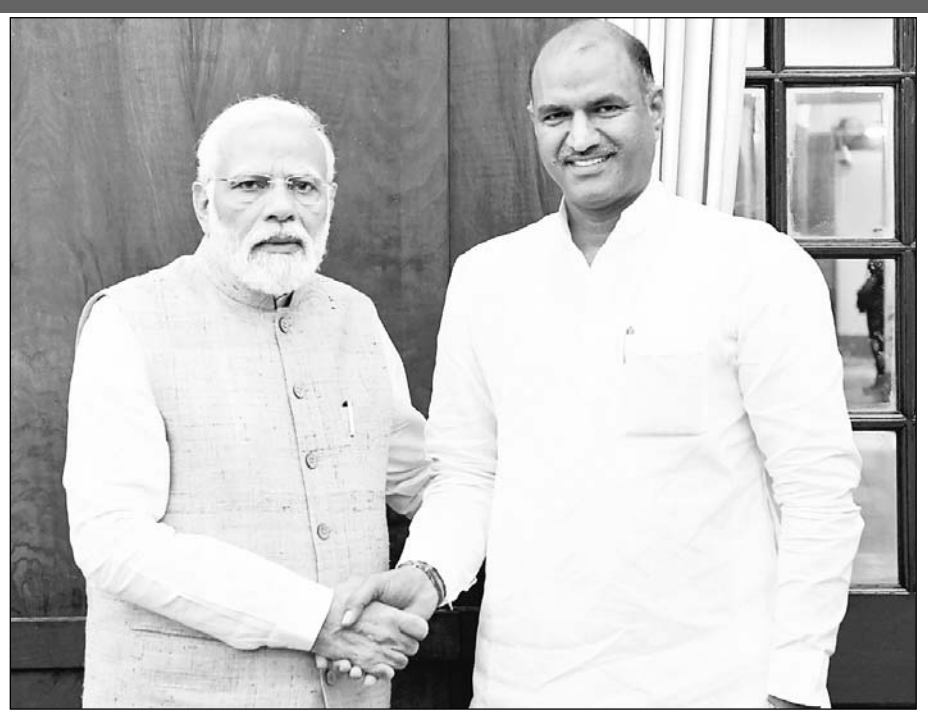

डॉ.सी.पी.जोशी के ट्विटर हैंडल से ली गई फोटो।

- **प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद सासंद जोशी मिले प्रधानमंत्री मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से**

जयपुर। राजस्थान में सतीश पूनिया का तीन साल का कार्यकाल दिसंबर माह में पूरा हो गया था। उसके बाद से ही राजस्थान में भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष बनने की चर्चाएं भी शुरू हो गई थी। राजस्थान भाजपा में आपसी गुटबाजी के चलते पार्टी किसी ऐसे चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बनाना चाहती थी जो कि निर्गुट हो। वहीं ऐसे व्यक्ति को भी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में चुनना चाहती थी जो आगामी विधानसभा चुनाव में पूरी तरह से पार्टी के लिए काम कर सके और खुद विधानसभा चुनाव में किसी सीट से उम्मीदवार ना हो। वही किसी एक बड़ी जाति को भी उनके नाम के माध्यम से साधने का प्रयास हुआ है।

सीपी जोशी का चेहरा अभी केवल चित्तौड़गड़ और उदयपुर संभाग में ही ज्यादा सक्रिय रहा है। लेकिन अब सीपी जोशी प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी के बड़े चेहरे के रूप में सामने आएंगे। वहीं असम का राज्यपाल बनने से उदयपुर संभाग में भाजपा के बड़े चेहरे के रूप में एक वैक्यूम पैदा हो गया था। जिसे भी सीपी जोशी के मार्फत भरने का प्रयास है। वहीं 58 साल के पूनिया के मुकाबले जोशी (47) यंग भी हैं। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह की ओर से जोशी की नियुक्ति संबंधी पत्र जारी किया गया। वही भाजपा ने विधानसभा चुनाव से ठीक आठ महीने पहले राजस्थान प्रदेश संगठन में बड़ा बदलाव करके सबको चौंकाया है। सतीश पूनिया की जगह चित्तौड़गढ़ से सांसद सीपी जोशी को भाजपा का नया प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया है। उन्हें प्रदेशाध्यक्ष बनाकर भाजपा ने ब्राह्मण वोटर्स को मैसेज देने की कोशिश की है। ब्राह्मण भाजपा का सबसे बड़ा कोर वोटर रहा है। ऐसे में इस बड़े वर्ग को साधने के हिसाब से इस नियुक्ति को अहम माना जा रहा है। बीजेपी के पिछले 42 साल से ज्यादा के इतिहास में राजस्थान में 22 साल से ज्यादा प्रदेशाध्यक्ष इसी वर्ग से रहे हैं। जोशी भाजपा राजस्थान के 15वें अध्यक्ष और 7वें ब्राह्मण अध्यक्ष बने। इससे पहले हरिशंकर भाभड़ा, भंवरलाल शर्मा, ललित किशोर चतुर्वेदी, महेश चंद्र शर्मा, रघुवीर सिंह कौशल और अरुण चतुर्वेदी ब्राह्मण प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं।

पूनिया प्रदेशाध्यक्ष के पद पर करीब साढ़े तीन साल तक रहे। वहीं नया प्रदेशाध्यक्ष बनाने की चर्चाओं में सीपी जोशी का नाम सबसे आगे था। प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद सीपी जोशी ने खुद को किसी भी गुट में होने से इनकार करते हुए सबको साथ लेकर चलने की बात कही है। वहीं जोशी के प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मिले। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिल कर सीपी जोशी ने साफ कर दिया की वे किसी गुट से नहीं आते हैं और उनको प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सिफारिश के बाद बनाया गया है। भाजपा में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर सतीश पूनिया के बीच लगातार आपसी खींचतान बढ़ रही थी। जनवरी में जब पूनिया का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी उनको प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बरकरार रखा गया तो दोनों में दूरियां ज्यादा बढ़ने लगी। पिछले दिनों वसुंधरा राजे के सालासर में हुए जन्मदिन कार्यक्रम को लेकर दोनों में अदावत काफी बढ़ गई थी। वसुंधरा राजे के जन्मदिन कार्यक्रम के दिन ही जयपुर में पार्टी की ओर से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन का कार्यक्रम तय होने की घटना से नाराज वसुंधरा समर्थक नेता इस बात को लगातार हवा दे रहे थे कि पूनिया वसुंधरा राजे को तवज्जो नहीं दे रहे। यह बात आम हो गई थी कि वसुंधरा राजे और सतीश पूनिया में बन नहीं रही है। कार्यकर्ताओं में भी लगातार नेगेटिव मैसेज जा रहा था और इससे पार्टी में नीचे तक गुटबाजी पनप रही थी। केंद्रीय नेतृत्व ने बीच का रास्ता निकालकर पूनिया का एक्सटेंशन रोककर नए अध्यक्ष के तौर पर सीपी जोशी का नाम घोषित कर दिया। भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व राजस्थान में चुनाव को देखते हुए सोशल इंजीनियरिंग पर भी फोकस किया है। मौजूदा समय में प्रदेश भाजपा में कोई भी ब्राह्मण चेहरा प्रमुख भूमिका में नहीं था। इसी तरह केंद्र की भाजपा सरकार और राष्ट्रीय संगठन में भी राजस्थान से कोई ब्राह्मण चेहरा प्रभावी भूमिका में नहीं है। राजस्थान से लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर भाजपा के कुल 28 सांसद हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल में राजस्थान की भागीदारी की बात करें तो चार मंत्री हैं। इनमें तीन लोकसभा सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल और कैलाश चौधरी और एक राज्यसभा सांसद भूपेंद्र यादव केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हैं। गजेंद्र सिंह शेखावत गैर आरक्षित वर्ग से आते हैं, जबकि बाकी तीनों मंत्री आरक्षित वर्ग से हैं। इनमें एक एससी और दो ओबीसी वर्ग से हैं। लोकसभा अध्यक्ष के पद पर कोटा सांसद ओम बिड़ला हैं जो वैश्य वर्ग से आते हैं। वही उपराष्ट्रपति के पद पर जगदीप धनखड़ हैं जो जाट समुदाय से हैं। भाजपा के प्रदेश नेतृत्व, केंद्रीय मंत्रिमंडल और राष्ट्रीय संगठन में कोई भी ब्राह्मण नेता प्रमुख भूमिका में नहीं होने के कारण सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने ब्राह्मणों को साधने की कोशिश की है। प्रदेश में ब्राह्मणों का बड़ा वोट बैंक है और माना जाता है। हाल ही जयपुर में हुई ब्राह्मण महापंचायत में भी ब्राह्मण समाज को राजनीतिक रूप से कम आंके जाने की बात उठी थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने के विरोध में जाट समाज के लोगों के द्वारा भाजपा कार्यालय के सामने प्रधानमंत्री मोदी अमित शाह का पुतला जलाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी समाज के विरोधी हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा सभी समाज की पार्टी है। यहाँ अध्यक्ष किसी जाति का नहीं पार्टी कार्यकर्ता होता है। मेरा 3 वर्ष का कार्यकाल पूरा हो चुका, नये अध्यक्ष पार्टी को और आगे ले जाएँगे। जो लोग भी भाजपा कार्यालय प्रदर्शन कर रहे हैं वह भाजपा कार्यकर्ता नहीं हैं।

सतीश पूनियां ने जताया केन्द्रीय नेतृत्व का आभार

जयपुर। भाजपा के निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने सांसद सीपी जोशी को प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद बयान देते हुए कहा कि मैं हृदय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं, और पार्टी के निर्णय का स्वागत करता हूं। यह भाजपा ही है जो सदैव समय-समय पर नए नेतृत्व को तैयार करती है, अवसर देती है और आगे बढ़ाती है।

सांसद सीपी जोशी के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नामित होने से पार्टी को और ज्यादा ताकत मिलेगी, हम सब मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 2023 में कांग्रेस को सत्ता से बाहर करेंगे और भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएंगे और 2024 में तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे। पार्टी ने मुझे पूरे 3 वर्ष संगठनात्मक काम के लिए दिये और मैंने भी कोरोना के भीषण संकट में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मंशा के अनुरूप रचनात्मक कार्यों द्वारा सहभागिता दी, पार्टी के सेवा ही संगठन के इस कार्य में प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने करोड़ों जरूरतमंदों की भोजन, राशन, दवाइयां इत्यादि कार्यों द्वारा सेवा की।

'मोहरे बदलने से सत्ता नहीं बदलती'

भाजपा में प्रदेशाध्यक्ष बदलने के मौके का लाभ उठाते हुए मु. मंत्री गहलोत के गुणगान के कसीदे कसे

- **यह कहकर डोटासरा ने नेतृत्व परिवर्तन की मांग करने वालों को निशाने पर लिया और कहा, ''सत्ता तो गहलोत की तरह जनहित के कार्य करने से आती है''**
- **इससे पहले प्रदेश कांग्रेस के आव्हान पर सिर्फ तीन मंत्री और 7 विधायक ही विरोध- प्रदर्शन में पहुंचे, जबकि सभी को अनिवार्य रूप से आने को कहा था**

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस में कई दिनों से बदलाव को लेकर अटकलें चल रही है यहां तो बदलाव नहीं हुआ लेकिन भाजपा ने सतीश पूनियां के स्थान पर अब चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इसी बहाने अपनी पार्टी के नेताओं को इशारों ही इशारों में हिदायत दे डाली और कहा कि मोहरे बदलने से सत्ता नहीं बदलती।

डोटासरा ने कहा कि भाजपा के निर्णय में मुझे ज्यादा नहीं कहना, लेकिन मोहरे बदलने से सत्ता में नहीं आया जा सकता। उन्होंने कहा कि 4 साल से भाजपा प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने में फेल रही है। इनके पास न एकजुटता है, न ये जनता के मुद्दे उठा पाते हैं। जनता से जुड़े जितने भी मुद्दे हैं, उन्हें गहलोत की नेतृत्व वाली सरकार सॉल्व कर रही है। अच्छी गवर्नमेंट दे रही है और हम जनता के लिए काम कर रहे हैं। इसलिए कहना चाहता हूं कि मोहरे बदलने से कुछ नहीं होगा। आपको अपने विचार और अपनी विचारधारा को बदलना पड़ेगा।

डोटासरा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कामों की तारीफ करते हुए कहा कि सत्ता केवल गहलोत की तरह जनता की सेवा करने से ही आती है न कि एसी के कमरों में बैठकर ट्विटर पर अपनी बात रखने से। उन्होंने कहा कि जनता क्या चाहती है, उसके लिए अगर जनता की किसी भी पॉलिसी को बदलना है तो उसे बदलना पड़ेगा। केवल एसी में बैठकर ट्विटर के माध्यम से प्रचार करना सब कुछ नहीं होता। सत्ता में वह लोग आते हैं जो जनता के वेलफेयर के लिए काम करते हैं, उनके लिए कल्याणकारी नीतियां लाते हैं और जनता को लाभ पहुंचाते हैं। यह काम भाजपा नहीं कांग्रेस कर रही है।

इससे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आव्हान पर राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के लिए सभी मंत्रियों और विधायकों/विधानसभा उम्मीदवारों को बुलाया गया था, लेकिन तय समय के 1 घंटे बाद और विरोध कार्यक्रम के अंत तक सिर्फ तीन मंत्री और 7 विधायक ही विरोध प्रदर्शन में पहुंचे। वहीं कांग्रेस के विधानसभा उम्मीदवारों में भी दो-तीन ही प्रदर्शन में पहुंचे थे।

आंदोलनकारी निजी चिकित्सकों ने जे.एल.एन. मार्ग पर जे.सी.बी. लगाकर रास्ता जाम किया

जयपुर,(कासं)। राइट टू हैल्थ विधेयक के विरोध में निजी अस्पतालों के चिकित्सकों का आंदोलन गुरूवार को भी जारी रहा। इस दौरान प्रदेश के अधिकांश निजी अस्पतालों में मरीजों का इलाज नहीं किया गया। वहीं आंदोलन का समर्थन कर रहे रेजीडेंट डॉक्टर्स ने एसएमएस अस्पताल में आज भी कार्य बहिष्कार किया। उधर सेवारत चिकित्सकों ने अस्पताल समय के बाद प्राइवेट प्रैक्टिस का पूर्णत: बहिष्कार करने का ऐलान किया है। वहीं दूसरी ओर प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने चरक भवन के समक्ष जेएलएन मार्ग पर जेसीबी से रास्ता जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इधर, राहत की बात रही कि बुधवार को दो घंटे के कार्य बहिष्कार के बाद सीनियर डॉक्टर्स काम पर लौट आए। इसके बाद उनकी इमरजेंसी वार्ड में राउंड द क्लॉक ड्यूटी लगाई गई। मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो इसके लिए ओपीडी में अतिरिक्त चिकित्सक लगाए गए हैं। इस दौरान सबसे अधिक भीड़ मेडिसिन विभाग में देखने को मिल रही है जिसको देखते हुए प्रशासन ने विभाग की दो अलग-अलग विंग ओपीडी में शुरू कर दी है।

रेजिडेंट चिकित्सकों की हड़ताल पर चले जाने के बाद एसएमएस अस्पताल में इलाज को लेकर लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। रेजिडेंट चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार को देखते हुए अब सिर्फ जरूरी सर्जरी ही की जा रही है, जबकि रूटीन ऑपरेशन को फिलहाल टाल दिया गया है। प्रदेश के करीब 2000 से अधिक निजी अस्पतालों में हड़ताल के कारण सरकारी अस्पतालों में मरीजों का दबाव बढ़ने लगा है। जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स के अध्यक्ष डॉ. नीरज डामोर ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से प्रदेश में चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की गई है, लगभग सभी अस्पताल नि:शुल्क इलाज इस योजना के तहत मरीजों को उपलब्ध करवा रहे हैं।

दिव्या मित्तल का केस क्यों नहीं हुआ सूचीबद्ध?

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के निलंबित एडी.एसपी दिव्या मित्तल की जमानत याचिका तय समय पर सूचीबद्ध नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार न्यायिक को निर्देश दिए हैं कि वह प्रकरण की जांच कर संबंधित अधिकारियों की सूची तैयार करे।

अदालत ने रजिस्ट्रार से यह भी बताने को कहा है कि ऐसे कितने मामले में हैं, जिनमें अदालती आदेश के बावजूद भी केस तय समय पर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया। वहीं अदालत ने दिव्या मित्तल की जमानत याचिका को अन्य एकलपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा है। जस्टिस नरेन्द्र सिंह ने यह आदेश दिव्या मित्तल की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए दिए। दरअसल गत 16 फरवरी को याचिकाकर्ता दिव्या की ओर से उनके वकील ने मामले की सुनवाई एक सप्ताह टालने की गुहार की थी।

कमर की सर्जरी नहीं करवायेंगे अय्यर

नयी दिल्ली, 23 मार्च। भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाज़ श्रेयस अय्यर ने इस साल घरेलू सरज़मीन पर होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए फिलहाल के लिये अपनी कमर की सर्जरी करवाने से इंकार कर दिया है। क्रिकबज की ओर से गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, अय्यर ने निर्णय लिया है कि वह ऑपरेशन करने के बजाय बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब में समय बितायेंगे। गौरतलब है कि अय्यर को कमर में खिंचाव के कारण न्यूजीलैंड के विरुद्ध जनवरी में खेली गयी एकदिवसीय शृंखला से बाहर रहना पड़ा था। वह ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच दूसरे टेस्ट के लिये फरवरी में टीम में वापस आये, लेकिन चौथे टेस्ट में वह दोबारा चोटठास्त होने के कारण बल्लेबाजी नहीं कर सके। अय्यर इस समस्या के कारण आईपीएल के शुरुआती मैचों में नहीं खेल सकेंगे और सर्जरी करवाने पर वह करीब छह महीने तक भी क्रिकेट से दूर रह सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार एनसीए ने अय्यर को सर्जरी करवाने की सलाह दी है लेकिन अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप में भारत के अभियान का हिस्सा बनने के इच्छुक अय्यर ने फिलहाल इसके बिना फिटनेस बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि मुंबई के रीढ विशेषज्ञ अभय नेने ने अय्यर को 10 दिनों के लिये आराम करने के लिये कहा था। विशेषज्ञ की सलाह के बाद फिलहाल वह मुंबई में अपने घर पर हैं।

बेयरस्टो आईपीएल से बाहर

नयी दिल्ली, 23 मार्च। पांव की चोट से उबर रहे इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो अपने देश के क्रिकेट बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं मिलने के कारण इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नहीं खेल पाएंगे। आईपीएल 31 मार्च से शुरू हो रहा है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने हालांकि ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को इस टी20 टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति दे दी है जिन्होंने घुटने और टखने की चोट से उबरने के बाद वापसी की है। पंजाब किंग्स ने आईपीएल नीलामी के दौरान लिविंगस्टोन और बेयरस्टो को क्रमश: 11.50 करोड़ रुपये और 6.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार,'' पंजाब किंग्स के लिए कुछ अच्छी और कुछ बुरी खबर है क्योंकि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने के लिए लियाम लिविंगस्टोन को हरी झंडी दे दी है, लेकिन जॉनी बेयरस्टो को इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से रोक दिया है। उन्होंने बेयरस्टो को एनओसी नहीं दी है।'' बेयरस्टो सितंबर में गोल्फ कोर्स में फिसलने से कई फ्रैक्चर होने के कारण टी20 विश्व कप तथा पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के टेस्ट दौरे में नहीं खेल पाए थे।

निखत ,नीतू ने फाइनल में किया प्रवेश, रजत सुनिश्चित

नयी दिल्ली, 23 मार्च । गत विश्व चैंपियन निखत ज़रीन और राष्ट्रमंडल खेल गोल्ड मेडलिस्ट नीतू घंघास ने महिला मुक्केबाजी विश्व चैंपियनशिप में गुरुवार को अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल का टिकट कटा लिया।

इंदिरा गांधी स्टेडियम पर आयोजित प्रतियोगिता में निखत ने 50 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में कॉलंबिया की इंठिाट वैलेंसिया को 5-0 से पछाड़ा। नीतू ने 48 किग्रा के सेमीफाइनल में कज़ाकस्तान की अल्कुआ बाल्किबेकोवा को 5-2 से शिकस्त दी। पिछले तीनों मुकाबले आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोका जाना) पद्धित से जीतने वाली नीतू को टूर्नामेंट में पहली बार टक्कर मिली, हालांकि मैच रिव्यू होने के बाद उन्होंने जीत हासिल कर ली।

बाल्किबोवा ने पूरे बाउट के दौरान शानदार डिफेंस का प्रदर्शन किया लेकिन 22 वर्षीय नीतू ने चतुराई से सटीक मुक्के मारे और अपार धैर्य का प्रदर्शन करते हुए पहली बार प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बना ली।

पिछले साल विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में बाल्किबोवा से हारने वाली नीतू ने इस जीत के साथ हिसाब भी चुकता कर लिया।

नीतू के विपरीत, निखत को फाइनल में पहुंचने के लिये ज़रा भी संघर्ष नहीं करना पड़ा। निखत ने अपनी तेज गति और शानदार ताकत का उपयोग करते हुए रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता वैलेंसिया के खिलाफ बाउट को शुरू से ही नियंत्रित किया।

वैलेंसिया पर शुरुआती दबाव बनाने के बाद भी निखत ने अगले राउंड में अपना संयम नहीं खोया और एकतरफा मुकाबला जीतकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बना ली।

नीतू-निखत ने इस जीत के साथ भारत के लिये रजत पदक भी सुनिश्चित कर लिये हैं। खिताबी मुकाबले में नीतू का सामना शनिवार को 2022 एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मंगोलिया की लुत्सेखान अल्तांसेटसेग से होगा।

निखत स्वर्ण पदक के लिये रविवार को दो बार की एशियाई चैंपियन वियतनाम की गुयेन थी टैम से भिड़ेंगी।

चिक्कारंगप्पा हांगकांग में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर

हांगकांग, 23 मार्च। भारतीय गोल्फर एस चिक्कारंगप्पा ने यहां विश्व सिटी चैम्पियनशिप के शुरूआती दौर में चार अंडर 66 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर चल रहे हैं।

डीजीसी ओपन के विजेता मिगुएल टागुएना ने वही शानदार जारी रखते हुए सात अंडर पार 63 का कार्ड खेला जिससे वह एकल बढ़त बनाये हैं। चिक्कारंगप्पा भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर चल रहे हैं। अन्य भारतीयों में करणदीप कोचर और हनी बेसोया ने 69-69 के कार्ड खेले जिससे दोनों संयुक्त 31वें स्थान पर हैं।

एसएसपी चौरसिया (70) संयुक्त 48वें जबकि वीर अहलावत, जीव मिल्खा सिंह और शिव कपूर एक ओवर 71 के कार्ड से संयुक्त 63वें स्थान पर चल रहे हैं। विराज मदप्पा और गगनजीत भुल्लर संयुक्त 87वें स्थान पर काबिज हैं।

म्यांमा के खिलाफ हम बड़े अंतर से जीत सकते थे : स्टिमक

इंफाल, 23 मार्च। भारत ने त्रिकोणीय अंतरराष्ट्रीय फुटबाल टूर्नामेंट के पहले मैच में म्यामां को 1-0 से हराया लेकिन मुख्य कोच इगोर स्टिमक का मानना है कि मेजबान टीम के दबदबे को देखते हुए उसे बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी चाहिए थी।

कप्तान सुनील छेत्री से जुड़े दो फैसलों के कारण भारत दो गोल नहीं कर पाया। इसमें पहले हाफ में भारत को पेनल्टी नहीं दी गई जबकि एक अवसर पर ऑफसाइड होने के कारण गोल अमान्य करार दिया गया। स्टिमक ने कहा कि उनके लिए स्कोर लाइन 1-0 नहीं बल्कि 3-0 है। भारतीय कोच स्टिमक ने कहा,''मैं अपने खिलाड़ियों से कुछ नहीं कह सकता क्योंकि उन्होंने वैसा ही खेल दिखाया जैसा हम चाहते थे। गोलकीपर अमरिंदर ने बेहतरीन खेल दिखाया और सुनील दुर्भाग्यपूर्ण रहा जो गोल नहीं कर पाया। वह गोल करने के लिए भूखा था और हैट्रिक बना सकता था।''

कई को उम्मीद नहीं थी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फाइनल के केवल चार दिन बाद छेत्री पूरे 90 मिनट तक खेलेंगे लेकिन भारतीय कप्तान की प्रतिबद्धता और गोल करने की भूख को देखते हुए स्टिमक ने उन्हें पूरे समय तक मैदान में बनाए रखने का फैसला किया।

कोच ने कहा,''सुनील पहला खिलाड़ी था जो आईएसएल फाइनल के बाद शिविर में पहुंचा। उसने राष्ट्रीय टीम से जुड़ने में एक मिनट का समय भी बर्बाद नहीं किया।

मेजबान बंगलादेश की चुनौती के लिये तैयार भारत

ढाका, 23 मार्च । सैफ अंडर-17 महिला चैंपियनशिप 2023 में लगातार दूसरी जीत की तलाश में भारत शुक्रवार को ढाका के बीएसएस मुस्तफा कमाल स्टेडियम में मेजबान बंगलादेश का सामना करेगा। भारतीय लड़कियों ने सोमवार को नेपाल पर 4-1 की ठोस जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, जिसमें शिलजी शाजी ने हैट्रिक जमायी और पूजा ने एक गोल किया। भारत की मुख्य कोच प्रिया पीवी ने कहा,''हम पहला मैच जीतकर खुश हैं क्योंकि यह पहली बार है जब हमारे खिलाड़ी इस तरह की बड़ी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। हम यहां एक कृत्रिम पिच पर खेल रहे हैं जो उस मैदान से अलग है जिस पर हम अभ्यास करते हैं। लड़कियों ने अच्छा प्रदर्शन किया, इसलिए मैं इससे बहुत खुश हूं।'' प्रिया ने कहा कि मिडफ़ील्ड में सुधार की बहुत गुंजाइश है। उन्होंने कहा, ''हम मानते हैं कि अगर हम मिडफ़ील्ड में थोड़ा और ध्यान केंद्रित करते हैं और बेहतर समन्वय करते हैं, तो हम आगे जाकर अच्छा प्रदर्शन कर पायेंगे।'' दूसरी ओर, मेज़बान टीम ने टूर्नामेंट में अब तक एक जीत और एक हार दर्ज की है। सोमवार को भूटान को 8-1 से मात देने के बाद बंगलादेश ने बुधवार को रूस के हाथों 0-3 की हार का सामना किया था। प्रिय ने कहा, ''बंगलादेश एक बहुत अच्छी टीम है। उन्होंने अपने पहले मैच में आठ गोल किये और रूस के खिलाफ भी उनका प्रदर्शन अच्छा था।'' बंगलादेश का सामना करने के बाद भारतीय लड़कियां भूटान (26 मार्च) और रूस (28 मार्च) से भिड़ेंगी।

'कार्यभार कम करने के लिये आईपीएल में आराम कर सकते हैं खिलाड़ी'

चेन्नई, 23 मार्च । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि उनकी टीम के खिलाड़ी अपना कार्यभार कम करने के लिये इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के कुछेक मैच छोड़ सकते हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2023 की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ समाप्त हुई एकदिवसीय शृंखला के मात्र 10 दिन बाद 31 मार्च से होनी है। आईपीएल का समापन 28 मई को होगा और सात जून को भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया के सामने होगा। रोहित ने बुधवार को यहां संवाददाताओं से कहा, यह सब अब फ्रेंचाइजी पर निर्भर करता है। वे अब उनके (खिलाड़ियों के) मालिक हैं। हमने टीमों को कुछ संकेत दिए हैं लेकिन दिन के अंत में यह फ्रेंचाइजी पर निर्भर करता है और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह खिलाड़ियों पर निर्भर करता है, उन्हें पता है कि उन्हें अपने शरीर का कैसे खयाल रखना है। रोहित ने कहा, वह सभी वयस्क हैं, उन्हें अपने शरीर की देखभाल करनी है। अगर उन्हें लगता है कि कार्यभार जरूरत से ज्यादा हो रहा है तो वे इसके बारे में बात कर सकते हैं और एक या दो मैचों के लिये ब्रेक ले सकते हैं, हालांकि मुझे नहीं लगता ऐसा कुछ होगा।

गौरतलब है कि कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पीठ की चोट के कारण आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते हैं, जबकि तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा भी लंबे समय से क्रिकेट से दूर हैं। रोहित ने चोटठास्त खिलाड़ियों की बढती संख्या पर चिंता जताते हुए उन्हें आवश्यक आराम देने पर जोर दिया। रोहित ने कहा, यह चिंता का विषय है क्योंकि... हमारी अंतिम एकादश के खिलाड़ी चोटग्रस्त हो रहे हैं। ये खिलाड़ी नियमित रूप से अंतिम एकादश में खेलते हैं। हम खिलाड़ियों के प्रबंधन पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, यही कारण है कि आप देखते रहते हैं कि हमें निश्चित समय पर कुछ खिलाड़ियों को आराम देना पड़ता है। उन्होंने कहा, जाहिर है जब आप इतना क्रिकेट खेलते हैं तो चोट लगना तय है। इसलिए इस पर ज्यादा ध्यान न दें। जो चीज हमारे हाथ में है हम उसे नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, खिलाड़ी भी निराश हैं। वे खेलना चाहते हैं, वे बाहर नहीं बैठना चाहते। यह थोड़ा दुखद है लेकिन आप सही मायने में ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। मैं आपको यह बता सकता हूं कि पर्दे के पीछे काम करने वाले लोग चीजों को ठीक करने के लिये कड़ी मेहनत कर रहे हैं। (खिलाड़ी को) किसी भी समय अजीब चोट लग सकती है, जैसे श्रेयस (अय्यर) इसका सबसे अच्छा उदाहरण थे। वह पूरे दिन बैठे रहे और जब अभ्यास के लिये गये तो उनकी पीठ में खिंचाव आ गया। इसके बारे में आप कुछ नहीं कर सकते। हम सिर्फ यह कर सकते हैं कि खिलाड़ियों को पर्याप्त ब्रेक दें और मुझे लगता है हम ऐसा कर रहे हैं।

भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे एएचएफ की एथलीट दूत नियुक्त

नयी दिल्ली, 23 मार्च। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर सलीमा टेटे को गुरूवार को दो साल के लिये एएचएफ का एथलीट दूत नियुक्त किया गया। टेटे ने कोरिया के मुंगेयोंग में एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) की कांठोस के दौरान प्रमाण पत्र और इस पद को स्वीकार किया। वह 25 मार्च से यह जिम्मेदारी संभालेंगी। अपनी अगुआई में भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम को दक्षिण अफ्रीका के पोचेफस्ट्रूम में 2021 एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप में चौथा स्थान दिलाने वाली टेटे इस पद के लिये एशिया से नियुक्त चार खिलाड़ियों में से एक हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने भी टेटे को इस सम्मान के लिये बधाई दी और कहा, ''हमारी भारतीय खिलाड़ियों में से एक को एएचएफ एथलीट दूत के तौर पर देखना सुखद है। सलीमा (टेटे) पिछले दो वर्षों से भारत की चमकदार खिलाड़ियों में से एक रही हैं और मैदान पर अपनी नेतृत्व क्षमता दिखा चुकी हैं। '' एएचएफ एथलीट दूत के तौर पर टेटे एशिया की चुनी हुई अन्य सदस्यों के साथ खिलाड़ियों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व और विकास में अहम भूमिका निभायेंगी। वह इस क्षेत्र से खिलाड़ियों में जागरूकता बढाने की ओर भी काम करेंगी। टेटे ने हॉकी इंडिया के बयान में कहा, ''एएचएफ एथलीट दूत में से एक चुने जाने से सम्मानित महसूस कर रही हूं। एशिया के खिलाड़ी के तौर पर हम अपने करियर में काफी चुनौतियों का सामना करते हैं। इस पद से मुझे हमारी आवाज सामने रखने में मदद मिलेगी।

आईटीएफ वर्ल्ड टूर : सिद्धार्थ समेत तीन भारतीय क्वार्टर फाइनल में

लखनऊ 23 मार्च। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ विश्वकर्मा समेत तीन भारतीय खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट आईटीएफ 25 हजार डालर वर्ल्ड टूर के एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

वाइल्ड कार्ड के जरिए इस टूर्नामेंट में अपना सफर शुरु करने वाले सिद्धार्थ ने फ्रांस के आर्थर बेबर को बिना एक गेम गंवाए 6-0,6-0 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। साथ ही उनकी विश्व रैंकिंग अब सुधर कर 938 तक पहुंच जाएगी। एक और मैच में भारत के करन सिंह ने थाईलैंड के पालाफूम कोवापीटुकटेड को एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में 4-6,6-4,6-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बना ली। भारत के ही शशिकुमार मुकुंद ने भारत के ही ऋषभ अठावाल को 6-2,7-6(3) से हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जग